शिव आमंत्रण

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | दादीजी के जनमशताब्दी समारोह पर विशेष | मार्च - 2016 , पृष्ठः 4 , मूल्य : 6 रुपए

ब्रह्मचर्य की शक्ति से जीत सकते हैं मौत - ...पेज - 2

लगातार बदलते परिवेश में ....पेज - 2

चारो ओर छाया समारोह का उल्लास ...पेज - 3

सकारात्मक ऊर्जा का यहां पता चला ...पेज - 3

बेटी बचेगी तो समाज बचेगा... ...पेज - 4

मेडिटेशन से मिलेगी खेलों में सफलता ...पेज - 4

सम्मान के इतिहास का अद्भुत पल

सबके दिलों की आवाज, दादी तुम्हें हमारी उम्र लग जाए

दादी जानकी के जन्म शताब्दी समारोह में 140 देशों के प्रतिनिधि हुए शामिल, संतों का मिला सान्निध्य

अनेक राज्यों के राज्यपाल सहित बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियों ने लिया दादी का अशीर्वाद

जनसैलाब

जानकी दादी के जन्म शताब्दी के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय के शांतिवन परिसर में आयोजित समारोह में देश-विदेश से आए हुए अतिथियों ने भाव-विभोर हो कर दादी को किया नमन।

शिव आमंत्रण, आबू रोड। शांतिवन के डायमण्ड हॉल में हजारों की संख्या में देश-विदेश से आए व्यक्तियों द्वारा जन्मशताब्दी पर दी गई शुभकामनाओं को स्वीकार करते हुए ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि यदि अंतरमन साफ है तो जो भी शुभ संकल्प करोगे वह अवश्य पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि जीवन में कभी सत्य का परित्याग न करो, सच के मार्ग पर चलते हुए घबराओ मत और सत्य की रक्षा करने से कभी चूकना नहीं। ब्रह्मा बाबा शिक्षक भी है और परिक्षक भी उसकी रचना अति सुंदर है। बाबा के दिखाए मार्ग पर चलते हुए हमें सर्वत्र शांति, प्रेम और आनंद का संदेश प्रसारित करना है।

इससे पूर्व मनमोह लेने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सैनिक बैण्ड की धुनों के साथ ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी की जन्मशताब्दी महोत्सव की विधिवत शुरूआत हुई। रूस के डिवाइन लाइट ग्रुप व बालीवुड फिल्म अभिनेत्री ग्रेसी सिंह की गीत नृत्य प्रस्तुतियों व रूसी कलाकार अल्बर्ट असादुलीन द्वारा भारतीय सिनेमा के महान कलाकार राजकपूर की फिल्म श्री 420 का गीत मेरा जूता है जापानी... ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। भव्य समारोह को संबोधित करते हुए केजी अस्पताल कोयम्बटूर के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ.जी.भक्तवत्सलम ने दादी जानकी को महान मानवीय व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में चल रही संस्था सबसे महान प्रेम की भाषा सिखाती है। सौ वर्ष की उम्र में भी जब दादी जानकी सलाह और दुआयें देती हैं तो महसूस होता है कि जिस भगवान को हम देख नहीं पाते वह मधुबन में बसता है। उन्होंने कहा कि इस संस्था से ग्रहण किए गए संदेश से उनके जीवन में अद्भुत परिवर्तन आया है। एस.आर.ई.आई फाउण्डेशन कलकत्ता के अध्यक्ष हरि प्रसाद कनोडिया ने कहा ब्रह्माकुमारीज का ईश्वरीय ज्ञान गांव स्तर तक भी जा पहुंचा है। दादी ओम शांति के मूल मंत्र को जीवन में धारण करने की प्रेरणा देकर सच्ची मानव सेवा कर रही हैं। शिव शक्ति ग्रुप हैदराबाद के अध्यक्ष जी.वी.एस.आर. अंजनेयूलु ने कहा कि यहां से ईश्वरीय संदेश प्राप्त करने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने को भाग्यशाली मानता है। समारोह में पधारने पर दादी जानकी व दादी हृदयमोहिनी का उपस्थित जन समूह ने अपने स्थान से खड़े होकर करतल ध्वनि के साथ स्वागत किया। शताब्दी समारोह के संगठन सचिव बीके मृत्युंजय ने पुष्पमालाओं व पगड़ियां भेंटकर दादी का अभिनंदन करते हुए इस महोत्सव को संस्था के इतिहास का स्वर्णिम दिवस करार दिया।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि मिलजुलकर ऐसे संसार की रचना करें जिसमें दु:ख-दर्द कहीं दिखाई न दें। ज्ञानसरोवर की निदेशिका डॉ.निर्मला दीदी ने कहा कि सादा जीवन बिताते हुए हमारा मार्गप्रशस्त करने वाली दादी जानकी कि प्रासियां अद्भुत रही हैं।

100 किलो का केक काटा

केक काट कर दादी जानकी के जन्मोत्सव की बधाइयां दी गईं।

दादी है भारत की रत्न

दादी जानकी ने अपने व्यक्तित्व और कर्तत्व से, अपने जीवन और दर्शन से लाखों व्यक्तियों के अंदर आस्था के जो बीज बोये है, विश्वास की ज्योत जलाई है उनका जन्मदिन मनाने के लिए हम एकत्रित हुए है। मैं कहना चाहुंगा भारत सरकार से अगर कोई असली भारत रत्न है तो यह बैठी हुई विभूतियां है।

- आचार्य लोकेश मुनी, संस्थापक , अहिंसा विश्व भारती, दिल्ली

मैने अनसुया को सुना था, गार्गी को सुना था, विश्ववाराह को सुना था लेकिन आज जीवित मूर्ति के रूप में पहली बार मै देख रहा हूँ। भारत सरकार भारत रत्न देगी तो दादी जानकी को भारत रत्न देना तो उस रत्न का सम्मान करना होगा। संस्थान द्वारा पूरे विश्व में किया जा रहा कार्य किसी अजूबे से कम नहीं है। दादी के सौवें जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई।

- स्वामी दिपांकर महाराज, हरिद्वार

संस्था के सहयोग से शुरू की जाएगी स्वच्छता व स्वास्थ्य योजनाएं: नड्डा

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान देश ही नहीं बल्कि विश्व में महिलाओं के सशक्तिकरण का बेहतरीन कार्य कर रही है। दादी से सीख लेकर अपने जीवन में बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए।

वे ब्रह्माकुमारीज के शांतिवन परिसर में संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के शताब्दी समारोह को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था समाज के उत्थान के लिए कई सरकारी योजनाएं चला रही है। ऐसे में सरकार संस्थान के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी योजना चलाएगी। दादी जानकी ने सिद्ध कर दिया है कि राजयोग से जीवन में उत्कृष्टता व बदलाव आता है। नारी शक्ति है बिना नारी के उत्थान के समाज का उत्थान मुश्किल है। यह दुनिया का पहला ऐसा संस्थान है जहां महिलाएं शीर्ष पर है। दादी के निर्देशन में बेहतर समाज की स्थापना का कार्य कर रही है। गुजरात के राजपाल ओम प्रकाश कोहली ने कहा कि हम हिंसा मूल्यों के हनन व हर प्रकार के प्रदूषण के वायुमंडल से गुजर रहे हैं। उसमें दादी का संदेश आशा की किरण पैदा करता है। दादी जानकी विश्व की महान आध्यात्मिक हस्तियों में सम्मानीय स्थान रखती हैं। इस विश्व पर आनैतिकता, आतंकवाद हिंसा के बादल मंडरा रहे हैं। हर तरफ द्वेष, घृणा व गलत प्रतिस्पर्धा का फैलाव हो रहा है। दिशाहीनता का संकट, मूल्यों के विघटन से ही पैदा हुआ है। अंतरमन में अवसाद पैदा होने से ही यह स्थिति विकसित हुई है। आसुरी तत्वों की उत्पत्ति से आसुरी आचरण बनता है। धर्म को शाब्दिक बहस का विषय माना जाता है। जबकि, यह आचरण जीवन में उतरने का विषय है। यूएनओ से मान्यता प्राप्त यह संगठन समाज को बाहर से ही नहीं बल्कि भीतर से भी परिवर्तित करने का सबसे बड़ा आंदोलन बनकर उभरा है। हमें पग-पग पर सहयोग करके इस आंदोलन को सफल बनाना होगा।

नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति रामवरण यादव ने नेपाल की ओर से दादी को जन्मशताब्दी की बधाई व शुभकामनाएं दी। वे दादी जी को महान तपस्विनी तपस्विनी बताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था पवित्रता, सद्भाव, समता व नैतिकता का संदेश नेपाल के कोने-कोने में प्रसारित कर रही है। जीवन में आंतरिक सच्चाई के साथ किया गया कार्य कभी निष्फल नहीं जाता है। दादीजी का जीवन ही प्रेरणास्रोत है। हम दादीजी की बतायी गई राहों पर चलकर परमात्मा से मिलन मना सकते हैं व अपने जीवन को उनके जैसा श्रेष्ठ बना सकते हैं।

मन की शांति जरूरी

दादी जानकी ने विश्व कल्याण के लिए सौ वर्ष की उम्र में भी देश विदेश का भ्रमण जारी रखकर एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिस शांति की खोज में अन्य देश भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं उसकी स्थापना ब्रह्माकुमारी का लक्ष्य है। ये संस्था संदेश देती है कि यदि मन में शांति और आनंद की अनुभूति करेंगे तभी बाहर शांति स्थापित करना संभव होगा। इस संस्था से जुड़े असंख्य लोग घरबार छोड़कर सेवा में लगे हुए हैं। उनके चेहरों पर आनंद की अनुभूति सहज ही देखी जा सकती है। श्री अग्रवाल ने कहा कि पैसा कामना पाप नहीं लेकिन उसका अहंकार करना पाप है। यदि पैसे सुख खरीदा जा सकता तो सबसे ज्यादा सुखी लोग अमेरिका और जापान में दिखाई देते लेकिन वहां भी सुख की तलाश में लोग भटक रहे हैं।

रमेश चंद्र अग्रवाल, अध्यक्ष, दैनिक भास्कर समूह, भोपाल

शांत की जिज्ञासाएं

कई सालों से जाग्रत जिज्ञासएं आज दादी जानकी व दादी हृदयमोहिनी के सानिध्य में वार्तालाप से शांत हुई हैं। ईश्वर ने अपना संदेश संवाहित करने की पात्रता इन दादियों को दी है। आधुनिक युग की शिक्षा भौतिकवाद को प्रोत्साहित करती हैं लेकिन ब्रह्माकुमारीज के मधुबन से विकास व श्रद्धा की भावना संवाहित होती है। यहां से असीम मातृभाव विकसित होता है लेकिन बदलें में किसी वस्तु की अपेक्षा नहीं की जाती। मातृ शक्ति की जो प्रतिष्ठा इस संस्थान में दिख रही है उससे निःसंदेह मूल्य शून्य समाज को नया स्वरूप प्रदान करने की उम्मीदें उठ खड़ी हुई हैं। नयी शांति और आस्था का प्रसार इसी संस्था के कारण अवश्य होगा।

गुलाब कोठारी, प्रधान सम्पादक, राजस्थान पत्रिका समूह, जयपुर

सत्व की कड़ी ब्रह्माकुमारी

स्वामी अध्यात्मानंद, शिवानन्द आश्रम, अहमदाबाद ने कहा, हे प्रभू, मैं कहूँ हर घर मे जानकी हो, हे प्रभू हर घर में ब्रह्मकुमारी का ओजस हो। हर गली में ब्रह्मकुमारी का तेजस हो। जो हम कहते है पवित्रता, कॅरॅक्टर, परस्पर प्रेम, एक दुसरे मे सामंजस्य, समग्र मानव समुदाय की, एक सत्व की जो कडी है, श्रृंखला है वह यह ब्रह्माकुमारी है। माते मैं आप के चरणों मे प्रणाम करता हूँ। चारो ओर जितने भी ब्रह्माकुमारी केंद्र है, कोई भी ब्रह्मकुमार के मुख से कडक शब्द नही निकलते, आक्रोश का शब्द या आक्रोश देखने को नही आता।

स्नेहिल मिलन

निलोफर बख्तियार ने आबू के कई स्थानों के दौरे के साथ ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रमुख दादी जानकी से मुलाकात की

भावुक हुई पाकिस्तान की पूर्व मंत्री

शिव आमंत्रण, आबूरोड़। पाकिस्तान की पूर्व केन्द्रीय मंत्री निलोफर बख्तियार ने आबू के कई स्थानों के दौरे के साथ ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रमुख दादी जानकी से मुलाकात की। वे आबू रोड में लायंस क्लब के कार्यक्रम में शिरकत करने आयी थी। इसी दौरान ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी से मुलाकात की।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शौकत अजीज तथा मुशर्रफ सरकार में संस्कृति पर्यटन तथा महिला सशक्तिकरण मंत्री रही निलोफर बख्तियार ने दादी जानकी से मुलाकात कर उनके सौवें जन्मदिन की बधायी दी तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की। दादी ने आत्मीयता भरे नजरों से निहाल किया तो वे कुछ समय के लिए भावुक हो गयी और उनके आंखों से आंसू छलक पड़े। आंसुओं को सम्भालते हुए निलोफर ने कहा कि दादी सचमुच विश्व की माँ है। आध्यात्मिक शक्ति से ओत प्रोत दादी जैसे लोगों को वर्तमान समय विश्व का माहलाआ क सशाक्तकरण के लिए इस दुनिया में सक्रिय रहना आत आवश्यक ह। इसके पश्चात व दादी से काफी समय तक मुलाकात का तथा उन्ह पााकस्तान आन का निमंत्रण दिया।

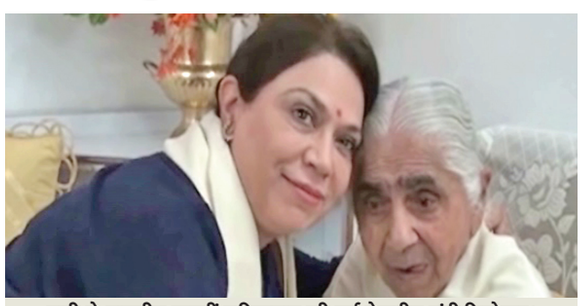

दादी से बातचीत करतीं पाकिस्तान की पूर्व केन्द्रीय मंत्री निलोफर।

दिव्यांगों को भी दादी के जन्मदिन पर मिली सौगात

शिव आमंत्रण, आबू रोड। जानकी दादी के 100वें जन्मदिन को समर्पित समारोह का अंतिम दिन दिव्यांगों के नाम रहा। आध्यात्मिक उन्नति के साथ सामाजिक जवाबदेही के तीन नए अभियानों के साथ तीन दिवसीय आयोजन समापन तक पहुंचा। नीति आयोग के अपर सचिव डी दास और सीबीआइ के उप निदेशक मनोज आबूसरिया द्वारा दिव्यांगों के लिए तैयार 'स्वमान' प्रोजेक्ट का पहला केंद्र दिल्ली में स्थापित होगा। इसके अलावा 'बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ' तथा बोलने एवं सुनने की चुनौती वाले दिव्यांगों के संवाद के लिए 'हर्ट ऑफ हियरिंग' प्रोजेक्ट भी शुरू किया गया। 'स्वमान' के दोनों योजनाकार खुद दिव्यांग हैं। ब्रह्माकुमारीज की प्रेरणा से ही प्रोजेक्ट तैयार किया। कार्य का उद्देश्य दिव्यांगों और वंचितों का सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक सशक्ति करण है। इसके तहत दिव्यांगों तथा दस हजार प्रतिमाह तक की आमदनी वाले घरों के प्रतिभावान बच्चों को प्रशासनिक सेवाओं, मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए समग्र सहयोग किया जाएगा। दोनों ने बताया कि शारीरिक तौर पर उपेक्षा भाव से देखने वाले लोग उनके पद की जानकारी के साथ चौंक उठते हैं।

संपादकीय

बीके करूणा

वैश्विक शंखनाद के सौ वर्ष

शताब्दी के शिखर से अध्यात्म का वैश्विक शंखनाद सौ वर्ष अर्थात एक शताब्दी। लम्बा दौर होता है जिसने पूरे सौ वर्ष का सफर पूरा कर लिया वाकई किसी हैरतअंगेज कारनामे से कम नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण तो यह है कि जीवन के सौ वर्ष कैसे बीते। क्योंकि जीवन तो बहुत लोग जी लेते है परन्तु उनका जीवन सबसे ज्यादा सफल होता है जिसका जीवन दूसरों की सेवा, परोपकार और ईश्वरीय सेवा में सफल होता है। ऐसे लोगों का जीवन भले ही मनुष्य का होता लेकिन उनके कर्म महापुरूषों के समान होता है। इससे ना केवल मनुष्य की आयु बढ़ती है बल्कि दूसरों के जीवन में भी सुख शांति का संचार होता है। ऐसा ही महान जीवन भौतिकवादी युग में नारी के रूप में शक्ति की अवतार राजयोगिनी दादी जानकी का भी है। जिन्होंने हाल ही अपने जीवन के सौ वर्ष पूर्ण कर शताब्दी समारोह मनाया है। दुनिया भर के लोगों ने दादी जानकी ना केवल दीर्घायु होने की कामना की बल्कि उनके तपस्वी जीवन से आशिर्वाद लिया। दादी के जीवन ने यह सिद्ध कर दिया कि राजयोग और अध्यात्म से मनुष्य दीर्घायु के साथ दुआओं के साथ मर्यादा पुरूषोत्तम का पद प्राप्त कर सकता है। पूरे देश विदेश से नेताओं, धर्मनेताओं, फिल्म जगत के सितारे, मीडियाकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर हर वर्ग के लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की सभा में उपस्थित लोगों को दादी ने आशिर्वाद के रूप में ओम शांति के मंत्र से सुशोभित करती रही। लोगों को एक दृष्टि का इंतजार रहता कि दादी की नजर हमारे तरफ मुड़ जाये। जिसने भी दादी का सान्निध्य पाया वह धन्य हो गया। कई दिनों तक चले इस विहंगम दृष्य ने लोगों को मंत्रमुग्ध तो कर ही दिया साथ ही एक नये युग, नये जीवन की इबारत भी लिख गया। ब्रहाकुमारीज संस्थान के इतिहास में यह स्वार्णिम अक्षरों में अंकित हो गया।

ब्रह्मचर्य की शक्ति से जीत सकते है मौत

मेरी कलम से

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह आलेख भारतीय विदेश नीति आयोग के अध्यक्ष तथा देश के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक से बातचीत पर आधारित है।

मैं पिछले 60-70 साल से पूरे देश मे मै घूम रहा हूं और दुनिया के लगभग 80 देशों में रह चुका हूं। लेकिन शायद आज पहली बार ऐसे एक व्यक्ति का जन्मदिन मनाने के लिए उपस्थित हुआ हूं जिसकी आयु 100 बरस हो गई है। यह मेरे जीवन का बड़ा अद्भुत और विलक्षण अनुभव है। याद कीजिए कि कोई प्रधानमंत्री सौ बरस का हुआ हो? सबसे ज्यादा उम्र मिली मोरारजी देसाई को। लेकिन वह भी नब्बे के आसपास थे। आपने किसी बड़े उद्योगपति वा भारत के ही नहीं दुनिया के किसी धनपति का नाम सुना है जो सौ बरस का हुआ हो? कितने देश के साधु-संत है जो सौ बरस पाते है? उनको न मिले तो न मिले, अरे भाई डॉक्टरों को तो सौ बरस मिलना चाहिए। मैंने तो आजतक कोई ऐसे डॉक्टर को नहीं देखा जिसने सौ वर्ष की उम्र पायी हो। सौ बरस की दादी जानकी हो गई इसका रहस्य क्या है? उनके मुख से उस रहस्य का उद्घाटन करते मैंने सुना नहीं। रहस्योदघाटन मैं करता हूं आज। वह अद्भुत रहस्य है और वह ऐसा रहस्य है जो भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में कहीं नहीं देखा। उस रहस्य का नाम है ब्रह्मचर्य। ब्रह्मचर्य... से इतना डरते है लोग कि उसका नाम भी नहीं लेते। अकबर इलाहाबादी ने एक शेर लिखा था कि लोगों ने जा-जा के रपट लिखवाई थाने में कि अकबर लेता है खुदा का नाम इस जमाने में। कामुकता के इस जमाने मे दादा लेखराज, जानकी दादी, मोहिनी बहन और भी सभी दादियां है। यही वजह है कि मैं इनके प्रति प्रति आकर्षित होता हूं। यह अकेली संस्था है जो पूरे विश्व में ब्रह्मचर्य का शंखनाद करती है। दादी जानकी का जो सौ बरस पुरा हुआ है मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि दादी को पच्चीस साल और दे और ब्रह्मचर्य की शक्ति से उनको मृत्यु पर विजय प्राप्त करने की शक्ति मिले। वेदों में भी लिखा है ''ब्रह्मचर्येन तत्सा देवा, मृत्यु मुपाक न था।'' अर्थात् ब्रह्मचर्य के तप से उन्होंने मृत्यु पर भी विजय प्राप्त कर लिया। राजाओं के बारे मे कहा है ''ब्रह्मचर्येन तत्सा राजा राष्ट्रम विरक्षते।'' मतलब राजा ब्रह्मचर्य के तप से राष्ट्र की रक्षा करता है। ब्रह्मचर्य का मतलब स्त्री-पुरूष के शारीरिक संबंधों का निषेध ही नहीं, बल्कि ब्रह्म मे चर्या अर्थात् ब्रह्म का आचरण करना, सच्चा योगी बनना। और योग क्या है? योगस्य चित्तवृत्ती निरोध:। आसन या प्राणायाम सिर्फ योग नहीं है। वह तो ''शरीर माध्यम ख्लु धर्म शास्त्रम्।'' धर्म के साधन के लिए शरीर स्वस्थ होना चाहिए। अगर आपने ब्रह्मचर्य धारण किया तो आपके हाथ मे पूंजी आ गई। जिससे आप चित्त पर नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं। इसीलिए मैं कहता हूं कि जो कर्म दादा लेखराज ने किया, जो काम दादी जानकी ने कर दिखाया है वह दुनिया का कोई सेनापति अथवा नेपोलियन नहीं कर सकता। मैं दादियों से यह आशा नहीं करता हूं कि वह शास्त्रों की महान पंडित होंगी, मेरी तरह संस्कृत जानती होंगी, शास्त्र जानती होंगी, या विदेशी भाषायें जानती होंगी या उनके पास एमए, पीएचडी की डिग्री होगी। डिग्रीयां वगैरह कुछ नहीं है। लेकिन उनके पास वह सूत्र है, वह रहस्य है, वह मंत्र है जो बड़े-बड़े पंडितों के पास नहीं है। उसी सूत्र ने आपके जीवन को बिल्कुल बदल दिया है। अगर यह संदेश फैलेगा, तो आर्य संस्कृति फैलेगी। दूसरा और एक कार्य ब्रह्माकुमारी संस्था ने किया है वह है मेरा दिल जीता है। मैं तो एक कट्टर आर्य समाजी परिवार का बालक रहा हूं। गृहस्थ होने के बावजूद कठोर ब्रह्मचर्य का पालन करता हूं। दूसरी अद्भुत चीज मैंने देखी नारी शक्ति की आवाज। मूलत: यह संस्था स्त्रियों की है। इस देश मे स्त्री शक्ति का इतना अपमान है, शनि के मंदिर मे नहीं जा सकते तो शनि किसके गर्भ मे रहे? शनि तो स्त्री के ही गर्भ मे आये ना? अगर स्त्री को उधर जाने से शनि भस्मीभूत कर सकते हैं तो अपनी मां को क्यों नही भस्मीभूत किया? यह स्त्री शक्ति का बड़ा अपमान है। यह अकेला संप्रदाय है जो भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्त्री शक्ति का शंखनाद करता है।

यह विलक्षण और अपूर्व है

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ब्रह्चारियों की फौज है। इतने लोग की अगर फौज खड़ी करना हो, फौज बनानी हो, ब्रिगेड बनानी हो तो मैं बड़ी आसानी से कर सकता हूं। लेकिन इतने ब्रह्मचारी खड़े करना सिर्फ परमात्मा के बस का खेल है, मनुष्य के बस का खेल नहीं। यह अद्भुत काम है। मै स्वयं ब्रह्मचर्य का पालन करता हूं। पेड पर फल लगता है, पकता है और स्वत: निवृत्त होता है। इस निवृत्ती मार्ग की शिक्षा देना इस संप्रदाय का, ब्रह्माकुमारी संप्रदाय का मुख्य कार्य है। यह विलक्षण है और अपूर्व है। यह बहुत बड़ी बात है।

कोई पाखंड नहीं, यहां पर सब एक समान

शास्त्रों का हम क्या करेंगे? भोंगा पंथी, पाखंडियों का हम क्या करेंगे? कोई पाखंड नही है यहाँ। सब समान है, सब एक जैसे है। सब एक दूसरे के साथी है। मोक्ष मार्ग के पथिक है। ऐसे अद्भुत संप्रदाय का निर्माण करने वाली जानकी दादी के लिए परमात्मा को थोड़ा उदार होना चाहिए। सौ बरस कुछ भी नहीं है। अरे, दो सौ बरस दे दें। ताकि यह भारत मे ही नही सारे विश्व मे बड़े पैमाने पर फैल जाए। मै दादी को बहोत हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं, हार्दिक बधाई देता हूं कि ऐसी एक अद्भुत महिला का नेतृत्व हमें प्राप्त है। भारत एक महान शक्ति बनेगा।

जीवन प्रबंधन

पढ़ाई है ही देवी-देवता बनने के लिए

परिवर्तन न होने का कारण है - सहन शक्ति की कमी। समाने की शक्ति अनेक बातों में गंभीर और सयाना बना देती है। मुख से यह नहीं निकलेगा कि हम सहन करते हैं या मेरे में सहनशीलता की कमी है। ज्ञान को इतना यूज करो कि सुनते सुनाते हमारे जीवन में आ जाए। कथनी करनी समान हो जाए, हमारे बोल और कर्म में कोई अंतर दिखाई न पड़े। कर्म व जीवन में आया हुआ है तो चेहरा बता देगा, बोल भले कम बोलें। लोगों को दुनिया में ऐसे हर्षित चेहरे दिखाई नहीं देते। हमारा जीवन रीयल सुख, शांति, प्रेम और आनंद से भरा हुआ है, कोई खोलकर तो देखे। ज्ञान अंदर से अशांति को खत्म कर देता है। ज्ञान, योग को भी सहज कर देता है। ज्ञान को अगर अच्छी तरह से समझकर जीवन में लाएं तो योग कोई कठिन नहीं है। ज्ञान ने हमको नया बना दिया, नवीनता आ गई। यह हमारा जन्म दिव्य है। हमारी पढ़ाई है ही देवी-देवता बनने के लिए।

- दादी जानकी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू

ज्ञान से बदल जाते हैं संस्कार

ज्ञान का अर्थ ही है पुराने संस्कारों को बदलना। हम संस्कारों को ही तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाते हैं। जहां तक परखने की बात है, वह तो सहज है। यूं तो जैसे हम किसी के गुणों का वर्णन करते हैं कि फलाने में यह गुण है, तो हमें यह देखना चाहिए कि वह गुण मेरे अंदर है। इसको कहा जाता है अपने आपको परखना। अगर मैंने अपने संस्कार को जान लिया तो फिर उसको कहा जाएगा रियलाइज किया। जिस संस्कार को मैंने रियलाइज किया कि यह ठीक है तो देखना है कि वह सबको ठीक लगता है? यदि वह औरों को ठीक नहीं लगता तो उसे ठीक नहीं कहेंगे। यदि हमारा कोई संस्कार आगे बढ़ने में रूकावट डालता है तो समझना चाहिए कि उसको बदलना जरूरी है। अब उसको बदलने के लिए ज्ञान की शक्ति चाहिए। कई बार बाबा मुरली में कहते हैं कि बच्चे कोई बात की फिक्र नहीं करो लेकिन एक बात का फिक्र जरूर रखना है कि हमें संपन्न बनना है।

- दादी हृदयमोहिनी, सह-मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू

मन का ध्यान रखने से मिलती है खुशी

अब हमने जीवन को एक नए अंदाज में देखने की कोशिश करनी शुरू की है। हम शरीर के सुख के लिए कितना ध्यान रखते हैं माना हम हर उस चीज को प्राप्त कर लेना चाहते हैं जिससे हमें जीवन में सुख मिले, आराम मिले। लेकिन इस बीच हम मन को भूल जाते हैं कि उसको भी स्वस्थ रखने के लिए कुछ चीजों की आवश्यकता होती है या तो फिर हमें मन का ध्यान रखना आता ही नहीं है। जब हम लोगों से बात करते हैं, सबसे मिलते हैं, तब कहीं न कहीं सबसे यही जवाब आता है कि जीवन में जो खुशी होनी चाहिए वो नहीं है। यह हमें किसी और से मिलने वाला प्रमाण नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिसे आप और सिर्फ आप ही जानते हैं कि आप अंदर से कितना खुश हैं। आज जो एक कॉमन सी बात हो गई है वह यह है कि अपनी क्षमता से कई गुणा ज्यादा करने की कोशिश करने के बावजूद भी हम खुश नहीं है। अगर हम मन का भी उसी तरह से ध्यान रखें जिस तरह से शरीर का रखते हैं तो छोटी-मोटी परिस्थितियां कब आएंगी और चली जाएंगी इसका मुझे पता भी नहीं चलेगा। इसलिए तो कहा जाता है ध्यान रखना। जब हम अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना शुरू कर देते हैं तो यदि कोई कुछ बोल भी देगा तो इसका प्रभाव हमारे ऊपर नहीं पड़ेगा। आज बच्चे बहुत अच्छी तरह से बात कर रहे हैं। कल अचानक उन्होंने रियेक्ट कर दिया, कुछ गलत बोल दिया, कुछ हो गया, ये सब परिवर्तन ही है ना मौसम में बदलाव आया है, लेकिन हमारे अंदर पावर नहीं है उस बदलाव का सामना करने की। इसलिए मन पर ध्यान देना है।

बीके शिवानी, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, गुड़गाँव

भगवान के पास आकर पूरी हुई मन की आस

शख्सियत

मूलत: गुजरात के बड़ौदा के रहने वाले नीरज शाह, वर्तमान समय कनाडा में मैकेनिकल

मेरे लिए तो संसारिक वैभव पहला स्थान रखते थे। बाबा ने सर्वशक्तिमान होते भी पहले मेरे मन की बात पूरी की कनाडा में रहने वाले गुजरात के बड़ौदा में जन्में नीरज शाह की प्राम्भिक पढ़ाई स्थानीय निजी स्कूल में हुई। सन् 1990 में कालेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग पूरी की। इस दौरान अपनी मानसिकता स्थिरता को बनाये रखने के लिए कई साधू-महात्माओं के पास गये, गीता भी पढ़ी लेकिन मन की आस अब भी बाकी थी।

ईश्वरीय महावाक्यों से मिली दिशा

इसी समय इनकी लौकिक माता जी का संस्था से परिचय हुआ। मैं भी संस्था के मुख्यालय में भ्रमण हेतु आया था। संस्था का ज्ञान अच्छा लगा। पहली बार जब यहाँ के सदस्यों से मिला तो लगा था कि हाँ, ये जगह सही है। इनका ज्ञान व्यावहारिक है। अब मैं निश्चिंत हो गया था कि अब कोई भी बात होगी तो यहाँ से समाधान मिल जायेगा।

पहले अपना जीवन, फिर ईश्वर

मैं सदा से ही करियर ओरियेन्टेड था। मेरा मन था कि पहले अपनी जिन्दगी को व्यवस्थित कर लिया जाये और बाद में बाबा के अनुसार जीवन को ढाल लिया जायेगा। भाग्य से मुझे प्लांट मेनेजर के पद पर नियुक्ति मिली, परन्तु भाग्य को कुछ ओर ही मंजूर था। मैं धीरे-धीरे यहाँ के माहौल से ऊब गया था और बदलाव चाहता था। यह काम मुश्किल था क्योंकि यह तो फिर से एक नये जीवन की शुरूआत जैसा था।

बाबा को बहुत याद किया

कुछ दिनों के बाद ही कनाडा से इन्टरव्यू के लिए पत्र आया और मैं सन् 2004 में कनाडा चला गया। वहाँ सब कुछ नया था। यहाँ कदम-कदम पर बाबा को याद बहुत किया। कनाडा में जो मुझे जो भी कोई उपलब्धि मिली वो सिर्फ बाबा की ही देन थी। मैंने अपने सामर्थ्य के अनुसार पूरी कोशिशें की थी लेकिन उतना सफल नहीं हो पाया जो मैं चाहता था। एक बाबा के सहारे ही सब कुछ करता गया। एक कम्पनी में जॉब मिल गयी और थोड़ा व्यवस्थित होने लगा था। मुझे जो बनना था वो मैं बन गया था। मेरी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियाँ पूरी हो रही थी।

भिन्नता को मिटा पढ़ने लगे फिर प्रेम का पाठ

विदेश में कई धर्मों के लोग रहते है। परमात्मा का संदेश तो हर मनुष्यमात्र के लिए है। प्यारे परमेश्वर ने जो ज्ञान का पाठ दिया है उससे सारी भिन्नता मिट गयी और हम अनेकता में भी एक होकर, एक जगह बैठकर ईश्वरीय महावाक्य पढ़ने लगे। आज यहाँ सेवाकेन्द्र पर काफी संख्या में विदेशी भाई-बहनें आते है और बाबा ने मेरे पूरे लौकिक परिवार को भी ईश्वरीय सेवा में जिम्मेदारी दी है। हम बहुत भाग्यशाली है जो स्वयं भगवान के काम आ गये।

अब बाबा की बारी थी

सर्वशक्तिवान होते हुए भी बाबा ने पहले मेरे मन की बात को आगे रखा था, लेकिन जब मैं पूरा सफल नहीं हो पाया तो बाबा ने अपना काम शुरू किया था। मेरा कनाडा जाना भी बाबा की ही प्लानिंग थी जो मुझे बाद में समझ आयी। 2010 में एक दिन संदेश मिला कि ब्रह्माकुमारीज का सेवाकेन्द्र मेरे निवास स्थान के पास ही आ रहा है। अब तक मेरा कोई स्थाई निवास भी नहीं बन पाया था लेकिन बाबा ने ऐसी कमाल की कि मेरे घर और सेवाकेन्द्र का गृहप्रवेश एक साथ और एक ही दिन हुआ। मुझे बाबा ने विदेश में भी घर और दैवी परिवार का साथ दे दिया।

सबसे हो सच्चा प्यार

जब से परमात्मा के बने है सब जाति, धर्म, समाज की दिवारें टूट गयी है। प्यारे बाबा से समझा है कि हम सब एक पिता के थे और हैं। विचारों को जो उच्च स्तर मिला है जो कितनी ही परेशानियों से परे रखता है। हमारी जिंदगी कितनी हल्की हो गयी है। सभी मनुष्यमात्र को यह ज्ञान समझ अपने जीवन को आनन्द से भरना ही चाहिए। अभी तो स्वयं भगवान भाग्य बाँट रहे है।

सिर्फ राजयोग ही माध्यम

यदि मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव चाहिए तो उसके लिए सिर्फ राजयोग ही एक माध्यम है। भारत जो चाहे वे कोई भी देश हो हर जगह मनुष्य को जीवन में सुख और शांति चाहिए। भौतिक साधनों से केवल मनुष्य के जीवन में तरक्की और सुख शांति आ जाती तो वह भटकता नहीं। मैंने अपने जीवन भी कुछ ऐसा ही अनुभव किया। जब से राजयोग की शिक्षा ली तब पूरा जीवन बदल गया। हर कार्य सहज हो गया और जीवन सुकुन वाल हो गया।

परिवार तथा समाज में शांति हो ध्येय

संसार में जितने भी लोग है भले अपने फायदे के लिए सोंचे परन्तु उसमें कुछ समय दूसरों के लिए भी दें। इससे उनका जीवन तो महान बनेगा ही साथ ही मनुष्य दूसरों की दुआएं उनके जीवन यात्रा को सहज कर देती है। हर एक का संकल्प होना चाहिए कि वह खुद सुखी रहे और दूसरों को सुखी रहने के बारे में सिर्फ सोचने लगे तो पूरा का पूरा जीवन बदल जायेगा। यही परमात्मा आकर सब सीखा रहे हैं। मैंने पश्चिमी देशों में होने के बाद भी यही महसूस किया है कि जीवन में तरक्की और शांति के लिए सिर्फ अध्यात्मवाद, परमात्मा का प्यार और उनका सान्निध्य चाहिए। यही एकमात्र उपाय है जीवन को सहेजने का। मैं यह शुभकामनाएं देता हूँ कि सभी सुखी रहें।

मील का पत्थर साबित हो रहा गॉडलीवुड स्टूडियो

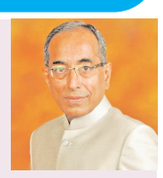

गॉडलीवुड स्टूडियो ही विश्व का एकमात्र एक ऐसा स्टूडियो है जिसमें सिर्फ हर धर्म, हर जाति और हर भाषा के लोगों के लिए केवल आन्तरिक विकास, सद्भावना, एकता तथा विश्व वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को बढ़ावा देने के लिए सामग्री का प्रोडक्शन कर रहा है। इसके साथ ही बच्चों, महिलाओं, युवाओं तथा युवतियों के जीवन में उत्कृष्टता, मूल्यों की पराकाष्ठा को पुनर्स्थापित करने के प्रयासरत है। शानदार अपने चार वर्ष पूर्ण कर लिया है। हजारों घंटों की सामग्री से लोग अपने जीवन को श्रेष्ठ और सफल बना रहे हैं। दिव्यांगों, बेजुबानों के लिए ईश्वरीय ज्ञान के सामग्री तैयार किये गये हैं ताकि कोई भी इस ईश्वरीय ज्ञान से वंचित ना रहे। इसके साथ तमाम उन लोगों के भी समाजोत्थान के लिए संस्थान की भागीदारी के बारे में उनके लोक कल्याणकारी विचारों को एक मुलाकात के रूप में रिकार्डिग की जाती है। जो पीस ऑफ माइंड चैनल का पापुलर शो है। लगातार इस तरह गॉडलीवुड स्टूडियो आने वाले समय के लिए मील का पत्थर साबित होगा। स्टूडियो द्वारा बनाए जा रहे कार्यक्रमों में मूल्यों का समावेश किया गया है। जिसे देखकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को मूल्यों से संवार सकता है। यहां यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है कि यहां जो कार्यक्रम बनाए जाते हैं वे मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को सुख-शांति से जीवन जीने की कला भी सिखाए। इस प्रकार के कार्यक्रम लोगों को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक भी करते हैं।

.....क्रमश।

- बीके हरीलाल, कार्यकारी अधिकारी, गॉडलीवुड स्टूडियो

बुद्धि, तर्क शक्ति और स्मरण शक्ति से मिलेगी सफलता

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्पिरिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

21 वीं सदी में एक ऐसी संकल्पना हैं जिसका चर्चा दुनिया में 'IQ' के नाम से है। IQ के लिए हर तरफ विभिन्न प्रकार के बहुमूल्य कोर्स कराए जा रहे हैं, जैसे कि अगर आप किसी बहुराष्ट्रीय कम्पनी में इंटरव्यू के लिए जाते हैं तो वहां सिर्फ IQ की ही नहीं बल्कि EQ, SQ के ऊपर भी बातें की जाती है। IQ के जरिए आप बहुत अच्छी जॉब प्राप्त कर सकते हैं परंतु उस जॉब में आपको अपनी भूमिका और जिम्मेदारी निभाते हुए बने रहने के लिए, सहकर्मियों के साथ अच्छे रिश्ते बनाएं रखने के लिए EQ की बहुत आवश्यकता होती है। उससे आगे बढ़ते हुए जॉब में प्रमोशन पाने के लिए, उच्च स्तर पर जिम्मेवारी कुशलता से व्यक्त करने के लिए स्क का भी विकास करना पड़ता हैं। IQ, EQ, SQ तीनों गुणांक को हम मेडिटेशन के द्वारा सहज ही विकसित कर सकते हैं। इसके ऊपर कई रिसर्च भी हो चुके है। जब-जब हमारे देश में किसी भी प्रकार की विपदा आई, तब-तब किसी न किसी क्रांति ने जन्म लिया है। जैसे हरित क्रांति, श्वेत क्रांति इत्यादि। अब सब जगह यही प्रश्न उठ रहा है कि अब किस क्रांति की शुरूआत होनी चाहिए? निश्चित तौर पर आध्यात्मिक क्रांति की। जैसे की बात है IQ कि तो हम सबने विश्व-देश के बहुत नेताओं, दिग्गजों के बारे में सुना, पढ़ा, देखा है कि कैसे अपने शस्त्र-बल और बाहुबल से उन्होंने पूरी दुनिया पर कब्जा कर लिया परंतु खेद की बात यह थी की वह भी अपने मन पर जीत नहीं प्राप्त कर सके। जैसे हिटलर अपने कठोर नेतृत्व से काफी हद तक सफल हुआ परंतु अपने मन पर जीत पाने में वह असफल ही रहा। कारण स्पष्ट है कि उसने अपने मन का सही विधि से नियंत्रण और प्रबंधन नहीं किया। आज पूरी दुनिया "M" अक्षर बहुत लोकप्रिय हैं क्योंकि इसके ऊपर बहुत कुछ निर्भर करता हैं जैसे - M-Mobil, M - Men, M - Material, M - Money, M - Market, M - Machine. देखा जाता हैं Men के लिए बहुत सारे कॉलेज बने हैं, डॉक्टर, इंजिनियर, वकील इत्यादि बनने के लिए। रू- से मेटीरियल मैंनेजमेंट के लिए भी विभिन्न कोर्सेज है, Finance मैंनेजमेंट Human Resource। मैंनेजमेंट में महत्वपूर्ण बात यह हैं कि इन सभी मैंनेजमेंट का मूल आधार-मन है, परन्तु इसका यथार्थ परिचय हमें नहीं है, फलस्वरूप जीवन में हमें काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। आज हमने ब्रेन और मन को एक की मान लिया है। ब्रेन हमारे भौतिक शरीर का अंग है जबकि मन हमारे चेतन शरीर या सूक्ष्म शरीर का अंग है। हेलन किलर कहते है कि जो चीज दिखाई नहीं देती है वह दुनिया की सबसे शक्तिशाली चीज होती है। ऐसे समझते है मन की कार्य प्रणाली को- जैसे एक छोटा सा बच्चा हैं, जो कार्यक्रम के दौरान ऑडिटोरियम में खेल कूद करता हैं उसके कारण कार्यक्रम में विघ्न आते हैं मगर उस बच्चे को प्यार से समझाया जाये कि कार्यक्रम के दौरान शोरगुल नहीं करना होता है तो वह शांत होकर बैठ जाएगा।

प्रबंधन विशेषज्ञों की राय

समय के अनुसार अपने अंदर परिवर्तन लाना ही श्रेष्ठ प्रबंधन है

लगातार बदलते परिवेश में स्वयं को ढालना सीखें

इस तीव्र गति से बदलते समय में हमारे संस्थानों के सामने सबसे बड़ी चुनौति ऐसी व्यवस्था उपलब्ध कराना है जिसके माध्यम से लोग किसी भी परिवर्तन की स्थिति में अपना रास्ता निकाल सकने में सक्षम हो सकें। ऐसा होने पर ही वे संस्थान को अपना श्रेष्ठतम योगदान दे सकेंगे। किसी संस्थान के भीतर नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति अपनी भीतरी व्यवस्था में वांछित परिवर्तन लाने में सफल हो जाए। जिस हिसाब से बाहरी वातावरण बहुत तेजी के साथ बदल रहा है, उस हिसाब से वर्तमान समय स्व-प्रबंधन का महत्व बहुत बढ़ जाता है। बाहरी वातावरण में होने वाले परिवर्तन को अपने नियंत्रण में लेना व्यक्ति के लिए बहुत मुश्किल होता है।

इसका स्थान अब इस बात ने ले लिया है कि व्यक्ति अपने अंदर होने वाले परिवर्तन को नियंत्रित कर सकता है। कहने का भाव यही है कि व्यक्ति को अपने भीतर के उन संसाधनों को विकसित करना है जिन्हें अब तक वह नजरअंदाज करता रहा है। किसी भी संस्थान का भविष्य वहां के लोगों की स्वायत्तता, अनुभवशीलता और आत्मविश्वास पर टिका होता है। बहुत से व्यक्ति एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण लेकर तकनीकी क्षेत्र में विशेषता प्राप्त कर लेते हैं जिसके आधार पर उनकी

पदोन्नति भी होता है। ऐसे व्यक्ति अपेक्षाकृत स्थाई संस्थानों के लिए उपयुक्त रहते हैं परन्तु परिवर्तनशील संसार में उनका स्थान सुनिश्चित नहीं होता। अब उन्हें उन योग्यताओं और कला-कौशल की आवश्यकता होती है, जो निरंतर बदलते हुए परिवेश में उसका मार्ग प्रशस्त कर सकती है। अब सवाल यह है कि परिवर्तन के कारण होने वाले उतार-चढ़ाव में व्यक्ति अपने अंदर शांति और विश्वास किस तरह बनाकर रख सकता है? परिवर्तन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। हमें भी इसके साथ-साथ लगातार आगे बढ़ते जाना है। हमें स्वयं को तीव्र गति से बदलते हुए समय के अनुसार ढालने के लिए अपने भीतर से ही शक्ति और योग्यता पैदा करनी होगी। इसके बिना हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। किसी भी परिवर्तन की प्रक्रिया के अनुरूप स्वयं को ढालने के लिए तीन बातों का होना जरूरी है। पहली बात है - ज्ञान। ज्ञान से अभिप्राय इस बात की समझ से है कि हमें क्या बदलना है और क्यों बदलना है। दूसरी बात है - हमारे अंदर खुद को बदलने की दृढ़ इच्छा-शक्ति होनी चाहिए। तीसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें परिवर्तन करने की कला आनी चाहिए अर्थात् यह ज्ञान होना चाहिए कि परिवर्तन कैसे किया जाए। जब ये तीनों ही बातें जीवन में एक साथ होंगी तो किसी भी परिवर्तन की प्रक्रिया हमें सहज अनुभव होगी। यदि इनमें से दो बातें तो हों लेकिन तीसरी न हो तो हम अपने अंदर चाहना के अनुसार परिवर्तन नहीं ला सकते। यदि वर्तमान समय की आवश्यकता अनुसार परिवर्तन व्यवस्थित ढंग से लाया जाए तो व्यक्ति अपने भीतर नए प्रकार का उमंग-उत्साह अनुभव करता है।

खुशियों का उत्सव चारों ओर छाया समारोह का उल्लास

विश्व भर में बढ़ा है मरूभूमि का गौरव - कटारिया

राजस्थान के गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया दादी का आशीर्वाद लेते हुए।

केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री हरिभाई चौधरी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

शिव आमंत्रण। राजस्थान के गृहमत्रा गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि विश्व की किसी प्रथम आध्यात्मिक विभूति के जन्मशताब्दी महोत्सव का आयोजन आबू रोड में होने से मरूभूमि के गौरव को चार चांद लग गए हैं। लगभग 140 देशों से हजारों की संख्या में महानुभावों के शांति की खोज में शांतिवन आगमन से न केवल ब्रह्माकुमारी संस्था बल्कि राजस्थान सरकार का भी मान-सम्मान बढ़ा है। प्रदेश के प्रत्येक कोने में सक्रिय इस महान संस्था से विकास कार्यों में सहयोग की अपेक्षा रहती है। मुझे विश्वास है कि दादियों के आशीर्वाद से हमने राजस्थान को आदर्श प्रदेश बनाने की जो कल्पना कर रखी है उस पर अवश्य ही खरे उतरेंगे। श्री कटारिया ने दादी जानकी को जन्मशती पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भेंट की।

शताब्दी समारोह के इस सत्र का शुभारंभ रूस से आए गायक अल्बर्ट द्वारा हिन्दी गीत सबका मालिक एक है फिर क्यों बांटा हुआ संसार है... की प्रस्तुति से हुआ। कॉरपोरेट सेक्टर में देश की प्रथम बैंक प्रमुख एवं वर्तमान में व्यावसायिक बैंकों में घपले रोकने के लिए सरकार द्वारा गठित आयोग की अध्यक्षा रंजना कुमार ने संस्था से पांच वर्षों के जुड़ाव के आधार पर कहा कि ब्रह्माकुमारीज जीवन में सहजता, शांति व संतोष की भावना का संचार करती है। हमें इस धरती से यह संदेश मिलता है कि यदि नियत साफ है तो लक्ष्य प्राप्त करना मुश्किल नहीं है। अमेरिका से आए शांति व मानवाधिकारों के क्षेत्र में नाम कमाने वाले मंत्री माइकल मोरन ने कहा कि दादी जानकी ने पूरे विश्व में शांति का संदेश फैलाया। हमारा नैतिक कर्त्तव्य है कि इस संदेश से कोई भी प्राणी अछूता न रहे। दादी के प्रति शुभ भावनाएं व्यक्त करने वालों में छत्तीसगढ़ के विपक्ष के नेता टी.एस.सिंहदेव, हाइट्रो ग्रुप हैदराबाद के अध्यक्ष डॉ.वी.पार्थसारथी रेड्डी भी शामिल थे।

सभा में तब अत्यंत विलक्षण दृश्य तब पैदा हुआ जब पंजाबी ढोल की थाप के बीच संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी व सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने खचाखच भरे डायमण्ड हॉल में प्रवेश किया। उनके सम्मान में अपने स्थानों से खड़े हजारों नर-नारियों ने तब तक ताली बजाना जारी रखा जब तक दादियां मंच पर विराजमान नहीं हो गई। संगठन सचिव बीके मृत्यंजय ने दादियों व वरिष्ठ अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर दादी जानकी को पुण्य भूषण अवार्ड व पुनेरी पगड़ी भेंट करके सम्मानित किया गया। दोनों दादियों ने मिलकर केक काटा और विभिन्न महानुभावों ने शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर के उनका स्वागत किया।

समारोह के दौरान मूल्य शिक्षा अभियान के बारे डॉ.बीके पांडयामणि भाई, राजयोग मेडिटेशन व रिसर्च प्रोजेक्ट के बारे में डॉ.सतीश गुप्ता तथा स्पर्श संस्था के सहयोग से संचालित स्वमान प्रोजेक्ट के बारे में नीति आयोग के अपर सांचव डां.डां.दास ने विस्तृत जानकारी दी। तीनों अभियानों का विधिवत उद्घाटन किया गया।

लंदन से आए महेश भाई ने स्वयं उपस्थित होकर शुभकामनाएं दी जबकि कैलिफोर्निया अमेरिका के प्रतिनिधि डॉ.अमीबेरा का विडियो संदेश प्रस्तुत किया गया। दादी जानकी व दादी हृदयमोहिनी ने अपने संदेश में कहा कि करूणा, प्रेम, सहनशीलता, संतुष्टि व शुभ इच्छाएं जीवन बदल सकती हैं। कोई भी ऐसा कार्य न करे जिससे किसी को ठेस पहुंचे स्वयं को परिवर्तित करने का प्रयास करें। बुरी बातों को नजरअंदाज करो, दूसरों की अच्छी बातें को अपनाओं।

दादी को बताया दिव्यता की देवी

मानवीय अधिकारों के क्षेत्र में ख्याति अर्जित कर चुके डी.आर.कर्तिकेन ने दादी जानकी को दिव्यता की देवी बताते हुए कहा कि शांति की स्थापना सर्वप्रथम अपने परिवार से करनी होगी। उसके बाद ही इसे समाज व देश के स्तर पर स्थापित करना संभव होगा। पूर्व न्यायाधीश व वैट ट्रिब्यूनल पंजाब के अध्यक्ष जास्टिस ए.एन.जिंदल, बंगलोर के डी.एस.परमेश्वैया, फिल्म अभिनेत्री वर्षा उसवांगकर, हरियाणा के मुख्य संसदीय सचिव बख्शी सिंह ने दादी जानकी की उपलब्धियों को अद्वितीय करार देते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामानाएं अर्पित की। इस अवसर पर यह भी बताया गया दादी जानकी अप्रैल माह में करनाल भी जाएगी।

दूसरों में दोष ढूंढना बंद करें

रामकृष्ण मिशन कलकत्ता के स्वामी सम्पूर्णानंद ने कहा कि राजयोगिनी दादी जानकी द्वारा सौ वर्ष का स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन बिताना निःसंदेह अद्भुत एवं प्रेरणादायी है। जिस शांति की दादी संदेश वाहक हैं वह हमारे जीवन में तभी आ सकती है जब हम दुसरों में दोष ढूंढ़ना बंद कर देंगे।

जीवन का सही परिचय कराया

मात्र छः वर्षों के ईश्वरीय ज्ञान ने हमें जीवन का सही परिचय कराया और लौकिक परिवार में आयी त्रासदी ने हमें आलौकिक परिवार का सदस्य बना दिया। आज मैं ब्रह्माकुमारी संस्था की बदौलत ही इस मुकाम पर पहुंची हैं। हमारे जीवन में ऐसा परिवर्तन आया कि शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात मैं समाज सेवा से जुड़ गई और फिर ऐसा अनुभव हुआ कि जैसे हमारा सही कार्यस्थल ब्रह्माकुमारी संस्थान ही है।

द्रोपदी मुर्मू, राज्यपाल, झारखंड

तेलंगना से मैं खाली झोली ले के आया था। अब झोली भर के जाऊंगा और तेलंगना मे खाली करूंगा। ऐसा माहौल तेलंगाना के लोगों में, वहाँ की धरती पर पड़ जाये तो वह भी यहाँ जैसे स्वर्गिक बन सकता है। मैं इसके लिए सरकार की ओर से प्रयास करूंगा।

– **के स्वामी गौड,** अध्यक्ष, तेलंगना विधान परिषद, हैदराबाद

आजतक इस पर चर्चा और बहस बहुत हो गई। धर्म तो आचरण मे उतरने का विषय है। ब्रह्माकुमारी संस्थान धर्म के तात्विक रूप के बजाए अप्लाईड रूप पर बल देता है। इसलिए संस्थान ने अनेक प्रकल्प लिए है जो समाज को शुध्द करने मे, स्वच्छ करने मे, समाज को बदलने मे लगे हुए है। – **ओ पी कोहली,** राज्यपाल, गुजरात

परमात्मा का झंडा लेकर सारे विश्व में जाना है और हम सब एक पिता के बच्चे है, आपस मे भाई भाई है इस बात को लेकर के हमारी दादी जानकी चलती है और उसको सबकी दुवाएं मिलती है। उसके कारण ही वह इस उम्र के इस पड़ाव पर पहुंची है।

– **राजयोगी बीके निर्वेर,** महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू

भारत सरकार की जैसे मैनेजमेंट होती है इस प्रकारसे इस दैवी परिवार की भी मॅनेजमेंट होती है। यह सारी बाते बहोत अच्छी रीती दादी जानकीजी से देखने को मिली। जन्मशताब्दी के निमित्त उनको अभिवादन, अभिनंदन करता हूं।

– **राजयोगी ब्रह्माकुमार रमेश,** अतिरिक्त महासचिव, ब्रह्माकुमारीज, माउण्ट आबू

शरीक होना यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। मैं तो देखता हूं कि जहां कोई नहीं पहुंचता वहां ये बहनें जाकर लोगों को बुराईयों से मुक्त करने का प्रयास करती हैं। दादी जानकी का जीवन में और इजाफा हो जिससे वे दुनिया में महिलाओं का बेहतरीन मार्गदर्शन कर सकें। – **टीएस सिंह देव,** नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस, विधानसभा, छत्तीसगढ़

हमारे राजस्थान में महिलाओं द्वारा संचालित विश्व की पहली संस्था है। जिसकी मुखिया दादी जानकी है। प्रदेश की मुख्यमंत्री भी महिला है। पूरे विश्व में महिलाओं की उच्च स्थिति होगी। दोनो शक्तियां मिलकर नये विश्व का निर्माण करेंगी। दादी जानकी के सौं वर्ष की हार्दिक बधाई। – **सुरेन्द्र गोयल,** ग्रामीण विकास तथा पंचायती राजमंत्री

बहुत सारी संस्थाएं जगत में है जो शांति के बारे मे बहुत कुछ बोलती है। वह बोलते है वह शांति प्राप्त कर रहे है। लेकिल ब्रह्माकुमारी से मैंने जो कुछ जाना है वह यह है कि मै स्वत: शांतस्वरूप आत्मा हूं।

– **मायकेल मोरेन,** इंटरफेथ मिनिस्टर, सेक्रामेंटो, अमेरिका

दादी जानकी बोलती है यह हमारा परिवार है और यह चल रही है सिर्फ भगवान के प्यार के ऊपर। यह सब देखते हुए मुझे यहां खडा रह के बोलने मे गर्व है कि मेरा भारत से दिल से प्यार है।

– **रॉबिन रामसे,** फिल्म अभिनेता, आस्ट्रेलिया

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ऐसी एक युनिवर्सिटी है दुनिया मे जो शांति का ज्ञान देती है। हम बाजार से करोड़ो रुपये देके भी खुशी, शांति खरीद नही सकते। उसका ज्ञान भी हम यहाँ से ही ले सकते है। उसके लिए शिवबाबा को शत शत नमन।

–**जीवीएसआर अंजनेयलू,** चेयरमैन, शिवशक्ति ग्रुप, हैदराबाद

मैं माता दादी जानकी को मुबारक करता हूं। दुनिया के कई प्रांतो में है यह इनका दर्द था जिसने इस चीज को पैदा किया और मुझे उम्मीद है कि एक दिन यह भारत आप लोग बदलाओगे, समाज में जितनी भी बुराईयां है उसको दूर करने का प्रयास सिर्फ ब्रह्माकुमारीज संस्थान ही करेगा। – **फारूख अब्दुल्ला,** पूर्व केन्द्रियमंत्री, जम्मू एवं कश्मीर

जिन विषयों को आज प्रधान मंत्री ने उठाया है और समय समय पर उठाना पडता है इस संस्था ने तो उन विषयों को सहज कर रखा है। महिलाओं की इतनी विशाल सेना पूरे विश्व को बुराईयों से मुक्त करने का वीणा उठा रखा है। निश्चित तौर पर इससे नारी शक्ति को बल मिलेगा।

– **मृदुला सिन्हा,** राज्यपाल, गोवा

मेरा मानना है, दुनिया मे शांति का रास्ता यहीं से शुरू होता है। यही रास्ता हर गली और हर आत्मा तक जायेगा तो विश्वशांति असंभव नहीं है। दादी ने यह सिद्ध कर दिखा दिया है कि नारी केवल नारी ही नहीं बल्कि शक्ति का स्वरूप है। यदि सभी नारियों को इसका आभास हो जाये तो वे दुर्गा का रूप धारण कर पूरे विश्व को बदलने में सक्षम हैं। – **सुरेश चावडके,** अध्यक्ष, सुदर्शन न्यूज, दिल्ली

दादी से लिया आशीर्वाद

दादी का सम्मान

मुलाकात

स्वागत नृत्य

अनुभूति

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस से शांतीवन मे व्यक्त अनुभवयुक्त विचार

सकारात्मक ऊर्जा का यहां पता चला

शांतिवन, आबु रोड। आज भौतिकता का नैतिकता के ऊपर प्रभाव है। विश्व मे बहुत सारे देशों ने भौतिक प्रगती की लेकिन नैतिकता के ऊपर ध्यान नही दिया। उसके कारण आज छोटे छोटे बच्चों को भी डिप्रेशन की गोलीया खानी पड रही है। आज मैने इधर आने के बाद दादीजी की भेंट ली तो सकारात्मक ऊर्जा क्या होती है इसका पता चला। वह मैने प्राप्त की। यह ऊर्जा जीवन मे सबसे महत्वपूर्ण है। अच्छे लोग, अच्छे विचारों के संपर्क मे हम जबतक नही आते तबतक हमारे अंदर श्रेष्ठ वृत्ति को जगह नही मिलती। ऐसे वायुमण्डल मे ही समाज के भले का विचार भी मन मे जगह लेता है।

शांतिवन, आबू रोड पर ब्रह्माकुमारीज के डायमण्ड हाल मे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस बोल रहे थे। वह एक दिवसीय दौरे पर माउण्ट आबू तथा आबू रोड आये थे। संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। मानपुर हवाई पटटी पर पहुंचने पर राजस्थान के उर्जामंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, सूचना निदेशक बीके करुणा, मुम्बई के बीके निकुंज, शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, जिला कलेक्टर वी सरवन कुमार

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस विचार व्यक्त करते हुए।

समेत बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी आगवानी की। स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस का भी श्री. फडणवीस ने इस बात को बढावा देने के लिए मिसाल दिया। रामकृष्ण परमहंस के आदेश अनुसार वह उनके कालीमाता के कक्ष मे गये तो उनको दुःखी, दरिद्री जनता दिखाई दी। उन्होंने अपने लिए कुछ मांगने के बजाए काली के सामने सबका भला मांगा। उन्होंने कहा, जिस समाज ने हमें इतना भर भर के दिया है उस समाज के भले के लिए हर एक को कुछ न कुछ करना चाहिए। समाज मे जो संघर्ष शुरू है उसका कारण अज्ञान है। अंधेरे मे टकराए हुए दो भाईयों का उन्होने मिसाल दिया। अंधेरे मे एक दुसरे के साथ हातापाई करने वाले उन भाईयों को प्रकाश आने के बाद हम भाई भाई है यह पता चला और उन्होने लडाई झगडा बंद किया। यहाँ का उपहार स्नेह से जुडना ब्रह्माकुमारी संस्था के बारे मे उन्होने कहा, यहांसे मै जा रहा हूं फिर आने के लिए। एक नया रिश्ता शुरू हुआ है। एक दुसरे से स्नेह सहयोग से जुडना ये यहाँ का उपहार मेरे साथ है। शांवितन में संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणनवीस तथा राजस्थान के उर्जामंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राणावत ने काफी देर तक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान बड़ी देर तक ज्ञान चर्चा के बाद दादियों ने योगानुभूति करायी। इस अवसर पर संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके पश्चात डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त महासचिव बीके रमेश, महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बीके संतोष, घाटकोपर जोन प्रभारी बीके नलिनी समेत कई लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मानपुर में स्वागत के पश्चात वे सीधे माउण्ट आबू पहुंचे। जहां ब्रह्मा बाबा के समाधि स्थल पर पुष्प अर्जित कर श्रद्धांजलि दी।

हमारे राजस्थान में महिलाओं द्वारा संचालित विश्व की पहली संस्था है। जिसकी मुखिया दादी जानकी है। प्रदेश की मुख्यमंत्री भी महिला है। पूरे विश्व में महिलाओं की उच्च स्थिति होगी। दोनो शक्तियां मिलकर नये विश्व का निर्माण करेंगी। दादी जानकी के सौं वर्ष की हार्दिक बधाई। – **सुरेन्द्र गोयल,** ग्रामीण विकास तथा पंचायती राजमंत्री

वे मां-बाप धन्य हैं जिन्होंने दादी जानकी जैसी महान विभूति को जन्म दिया। लाखों व्यक्तियों का जीवन संवारने वाली यह दादी आध्यात्मिकता का संदेश बढ़ती रही है। भ्रूण हत्या महापाप है। इसकी रोकथाम के लिए भी संस्था सार्थक प्रयास अपने संकल्पों द्वारा कर रही है।

– **चरणजीत सिंह अटवाल,** अध्यक्ष पंजाब विधानसभा

दादी के जन्म शताब्दी समारोह में हुआ अभियान की लाचिंग

शुरू हुआ राष्ट्रव्यापी बेटी बचाओ अभियान

बेटी बचेगी तो समाज बचेगा

शिव आमंत्रण, भोपाल। ब्रह्माकुमारीज के महिला प्रभाग द्वारा बेटी बचाओ, सशक्त बनाओं अखिल भारतीय अभियान का मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व अध्यक्षा उषा चतुर्वेदी, महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव जेएन कनसौटिया, नूतन कॉलेज की प्राचार्या डॉ. वंदना अग्निहोत्री, किरण संजर, अग्रवाल महिला महासभा की महामंत्री मंजू गुप्ता, ब्रह्माकुमारी महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके डॉ. सविता बहन, भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश आदि मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलित कर अभियान का आगाज किया गया। बीके रीना बहन ने अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान मध्यप्रदेश के अनेक जिलों, पंचायतों, गांवों व नगरों में चलाया जाएगा। जिसका उद्देश्य जन सामान्य में नैतिक एवं आध्यात्मिक जागृति लाकर लिंगभेद की गलत मानसिकता को समाप्त करना और महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्म सम्मान, आत्म सुरक्षा व आत्मनिर्णय की योग्यता विकसित कर उन्हें सशक्त बनाना है।

महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके डॉ.सविता ने कहा कि समाज में अनेक कुरीतियां जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, सती प्रथा आदि से नारी का शोषण हो रहा है। अल्ट्रासाउण्ड जैसी आधुनिक मशीनों के अविष्कार के बाद समाज में कन्या हत्या होने लगी। सरकार ने इसके लिए कानून तो अवश्य बनाए हैं परन्तु समाज में नारी के सम्मान एवं गौरव को पुन: प्रतिस्थापित करने के लिए जागृति लाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिला प्रभाग द्वारा एक जन जागृति अभियान बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों में निकाला जा रहा है।

भोपाल जोन की निदेशिका बीके अवधेश ने कहा कि अपनी संस्कृति को बचाने का कार्य नारी ने ही किया है। हमें नारी के महत्व को समझना होगा।

सूरत मे मनाया गया विश्व बेटी दिवस

शिव आमंत्रण, सूरत। विश्व बेटी दिवस के अवसर पर सूरत के एलडी पब्लिक स्कूल, वाइब्रेंट इंटरनेशनल एकेडमी व ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त तत्वाधान में विश्व बेटी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नारित्व दर्शन डॉक्यूमेंट्री फिल्म की निदेशिका बीके डॉ सुनीता ने नियमित राजयोग के अभ्यास द्वारा छात्राओं को शक्ति स्वरूप बनने की सलाह दी। साथ ही बेस्ट कॉन्सेप्ट नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित नारीत्व दर्शन फिल्म भी छात्राओं को दिखाई गई जिससे उन्हें शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक व आध्यात्मिक रीति से सशक्त बनने की प्रेरणा मिली।

इस अवसर पर एलडी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ. नीलेश जोशी, सचिन विभाग केवलिया मंडल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव दिनेश पटेल, उपाध्यक्ष गीता वाशिया, वायब्रेंटर इंटरनेशनल एकेडमी के व्यवस्थापक विमल राजगुरू समेत कई अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

मानव उत्थान में नारियों का अमूल्य योगदान

शिव आमंत्रण, वर्धा।

ब्रह्माकुमारीज के महिला प्रभाग द्वारा स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा संस्कृति की संरक्षक नारी, विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसे संबोधित करते हुए सावंगी अस्पताल के नर्सिंग एज्यूकेशन के कॉर्डिनेटर मनिषा मेघे ने कहा कि प्रसार माध्यमों ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है। जिसका लाभ उठाकर महिलाएं समाज के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका निभा सकती है। वहीं बीडी कॉलेज की प्राध्यापिका पल्लवी मंगरूलकर ने समाज में नारी की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि नारी स्वयं का सम्मान नहीं करेगी तो उसका मूल्य कोई और नहीं समझेगा। जिस घर में नारी का सम्मान होता है वहां सुख-शांति व समृद्धि का वास होता है।

वर्धा सेवाकेंद्र संचालिका बीके माधुरी ने नारी का महत्व बताते हुए कहा कि नारी शीतलता में हीम से भी अधिक शीतल है, धारणाओं में हिमालय सें भी उंची है और तेज में सुर्य से भी अधिक दिव्य है। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुशील हिम्मत सिंगका कॉलेज की प्रध्यापिका अपर्णा बहन देवडे ने किया, बीके मधु ने विद्यालय का परिचय देकर लोगों को नारी शक्ति से अवगत कराया, बीके रेणु ने नारी का गौरव गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

शांति चाहिए तो व्यवहार श्रेष्ठ बनाओ - पाटील

नेशनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कर्नाटक के शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटील।

शिव आमंत्रण, गुलबर्गा। कर्नाटक के शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटील ने कहा कि समाज में शांति और समृद्धी चाहिए तो हमें अपना व्यवहार श्रेष्ठ बनाना होगा। यदि हम कुछ निर्माण करना चाहते हैं तो उसके लिए सादगी, नि:स्वार्थ भाव और भ्रातृभाव की भावना को विकसित करने की आवश्यकता होती है।

वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अमृत सरोवर रीट्रिट सेंटर में लीडर्स ऑफ फ्यूचर पावर पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

नगरपालिका मंत्री डॉ. कमरूल इस्लाम ने कहा कि हर मजहब में मेडिटेशन का महत्व बताया गया है। धर्म कोई सा भी हो लेकिन भगवान एक ही है। जिसे ही हम भिन्न-भिन्न नामों से याद करते हैं। ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि खुशी आत्मा के अंदर रहती है। यदि हम उसके मूल गुण पर ध्यान देंगे तो हम कभी नाराज नहीं होंगे।

इस अवसर पर नगर पालिका प्रशासन मंत्री डॉ. कमरूल इस्लाम, चिकित्सा शिक्षामंत्री शरण प्रकाश पाटिल, यादगीर के विधायक डॉ.एबी मलाकरेड्डी, अफ्जलपूर के विधायक मालिकय्या गुत्तेदार, विधान परिषद के सदस्य के बी शनप्पा, इक्बाल अहमद सारदगी, जेवार्गी के विधायक डॉ. अजय सिंह, राजनीतिज्ञ प्रभाग के अध्यक्ष बीके बृजमोहन, प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके लक्ष्मी, समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेम, बीके विजया समेत कई प्रतिष्ठित नागरिक मौजूद थे।

इस दौरान अतिथियों ने कर्मों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि कर्म के अनुसार ही मनुष्य को परिणाम हासिल होते हैं। उन्होंने राजयोग द्वारा परमात्मा से बुद्धियोग लगाकर आत्मा को पावन बनाने की सलाह दी।

इस अवसर पर बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुति द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया तथा शॉल ओढ़ाकर व ईश्वरीय सौगात भेंटकर माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया गया।

सड़क सुरक्षा अभियान

शिव आमंत्रण, थाणे, महाराष्ट्र।

थाणे के विवियाना मॉल में आरटीओ द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान का समापन समारोह मनाया गया। जिसमें ब्रह्माकुमारीज को मुख्य रूप से आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर थाणे चेकनाका सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरला समेत संस्था से जुड़े लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न स्टॉल तथा संस्थान के सड़क परिवहन प्रभाग द्वारा बनाए गए कड़क हवलदार वीडियो क्लिप के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा का पालन करने की प्रेरणा दी गई। गाड़ी चलाते समय मोबाईल फोन का इस्तेमाल न करे इसके बारे मे भी वीडीओ द्वारा जानकारी दी गई।

इस अवसर पर फिल्म स्टार प्रिटी जिंटा और सुशांत सिंह राजपूत को भी आमंत्रित किया गया। जिनसे बीके सरला ने मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट की और बताया कि राजयोग के अभ्यास द्वारा हम मन पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं। वहीं डिप्टी कमिश्नर हेमांगिनी पाटिल, आरटीओ ऑफिसर गायकवाड और रघुनाथ देशमुख, सिनेपॉलिस मल्टीप्लैक्स के प्रमुख जिबरैन से मुलाकात कर ईश्वरीय ज्ञान की चर्चा की और माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया।

बहरीन में दादी की जन्मशताब्दी

शिव आमंत्रण, कुवैत।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी के बहरीन पहुंचने पर बहरीन के उपमुख्यमंत्री शेख खालिद बिन अब्दुल्लाह अल खलिफा ने दादी से मुलाकात की और 100 वर्ष पूर्ण होने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कुवैत में ब्रह्माकुमारीज की संयोजिका बीके अरूणा भी उपस्थित थीं।

बहरीन सेवाकेन्द्रों पर दादी जानकी की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दादी जी के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यक्रमों में दादी जी को सभी ने बधाई व शुभकामनाएं दी तथा केक काटा। अतिथियों ने कहा कि दादी एक महान विभूति हैं।

दादी जानकी के सौ वर्ष पूर्ण करने पर बहरीन के उपमुख्यमंत्री के विशेष बुलावे तथा संस्थान द्वारा आयोजित शताब्दी समारोह में भाग लेने पहुंची थी। जिसमें बीके हंसा, बीके अरुणा लाडवा समेत कई लोग उपस्थित थे।

मोटर साईकिल रैली में अभिनेता दीपक पराशर

मोटर सायकल रैली को शिव ध्वज दिखाकर उद्घाटन करते अभिनेता दीपक पराशर.

शिव आमंत्रण, मुंबई। मुंबई के मलाड में ब्रह्माकुमारीज संस्थान तथा ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में मोटर साईकिल रैली निकाली गई। जिसका शुभारंभ, फिल्म अभिनेता दीपक पराशर, ट्रैफिक पुलिस प्रमुख मच्छिन्द्र बोडके, मलाड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुन्ती ने शिव ध्वज दिखाकर किया।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अन्तर्गत आयोजित इस रैली से पूर्व कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें बीके कुन्ती ने यात्रा के दौरान मन को शांत व स्थिर बनाने की प्रेरणा दी तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने पर जोर दिया। अंत में सभी अतिथियों को बीके कुन्ती ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने रैली में सहभागिता की और लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

महिलाओं की हेलमेट रैली

शिव आमंत्रण, लातूर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज के लातूर सेवाकेंद्र और यातायात प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में जनजागृति के लिए महिलाओं की हेल्मेट रैली निकाली गई। रैली का उद्घाटन लातूर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय के मुख्य अधिकारी प्रभाकर भालेराव एवं डिप्टी आर. टी. ओ. संजीव भोर ने किया। रैली का संचालन ब्रह्माकुमारीज के यातायात प्रभाग की सदस्य बीके पुण्या ने किया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा बहन, आर. टी. ओ. प्रभाकर भालेराव, डिप्टी आर. टी. ओ. संजीव भोर ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर डिप्टी आर.टी.ओ. संजीव भोर ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान पुरे राज्य मे पंद्रह दिन चलाया जायेगा।

मेडिटेशन से मिलेगी खेलों में सफलता

चेन्नई होलिस्टिक स्पोर्टस मे सहभागी खिलाडी।

चेन्नई। वैसे तो खेल शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से अपने कौशल का विकास व मनोरंजन के लिए किया जाता है, लेकिन ब्रह्माकुमारीज ने खेल में एक नये आयाम को जोड़ते हुए उसे होलिस्टिक यानी समग्र का नाम दिया है। खिलाड़ियों के लिए विशेष तौर पर आयोजित किये गये चेन्नई के हैप्पी विलेज रिट्रीट सेन्टर में सम्मेलन में एक बात स्पष्ट कर दी गई कि आध्यात्मिकता अंतर्निहित ऊर्जा है जिससे मन शक्तिशाली बनता जाता है और खेल में सफलता हासिल होती है।

चेन्नई के हैप्पी विलेज रिट्रीट सेन्टर में ब्रह्माकुमारीज के खेल प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। होलिस्टीक स्पोर्टस विषय पर आयोजित इस कायक्रम के उद्घाटन सत्र में तमिलनाडू फिजिकल एज्युकेशन एण्ड स्पोर्टस यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ.ए. एम.मूर्थी, सदर्न रेलवे के चीफ प्लेनिंग एण्ड डेवेलपमेंट इंजीनियर व स्पोर्टस सक्रेटरी ए. के सिन्हा, स्पशल ओलम्पिक्स एशिया पैसेफिक रीजन के सीनियर स्पोर्टस मैनेजर डॉ एम. एस. नागराजन, स्पोर्टस प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके जगबीर, कॉर्पोरेट ट्रेनर बीके ई. वी. स्वामीनाथन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके कलावथी, जोनल सेवा संयोजिका बीके बीना समेत अन्य कई प्रतिष्ठित लोगों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर विशेष रुप से उपस्थित ख्यातनाम हस्तियों ने संस्थान द्वारा सिखाये जा रहे राजयोग को आज के युग के लिए अति आवश्यक व उपयोगी बताया। इसी दौरान संस्थान के सदस्यों ने भी देर ना करते हुए हज़ारों की संख्या में उपस्थित बच्चों को राजयोग का अभ्यास कराकर अपनी आन्तरिक शक्तियों का विकास करने की कला सिखाई।

इस अवसर पर संस्थान के खेल प्रभाग द्वारा अर्जुन पुरस्कार व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। जिसमें विजेताओं ने अपने यश गाथाओं को सभी के साथ साझा किया।

वहीं समापन सत्र में वैलोर में थिरुवल्लुवर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ ए. अमुलदौस, एशिया की पहली महिला अंतर्राष्ट्रीय अम्पायर सुमथी हरिहरन अय्यर, फिज़िकल एज्युकेशन एण्ड स्पोर्टस यूनिवर्सिटी में योग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर व हेड डॉ आर.इलानगोवन समेत अन्य कई प्रतिष्ठित लोगों ने मुख्य रुप से सहभागिता की।

इस दौरान चेन्नई के जेएन स्टेडियम में 14 और 15 नवम्बर 2015 को आयोजित हुए ग्रैण्ड चेन्नई ओपन एथलेटिक मीट-2015 के प्रतिभागी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये। इस अवसर पर राजनितिक प्रभाग के तमिलनाडू ज़ोनल संयोजक बीके पंडियन, खेल प्रभाग के संयोजक बीके रवि ने सभी को सफल जीवन की शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

चम्पारण के शिक्षकों को अंग्रेजी ट्रेनिंग

शिव आमंत्रण, नरकटियागंज। बिहार के पश्चिम चम्पारण के नरकटियागंज मे पुर जिले के शिक्षकों के लिए बिहार सरकार द्वारा पांच दिवसीय अंग्रेजी ट्रेनिंग का आयोजन किया गया था। भारत ज्योति अवॉर्ड प्राप्त पश्चिम चंपारण्य नरकटियागंज शिक्षक संघ के महासचिव मोर चतुर्वेदी विशिष्ट अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। उन्होने उपस्थित शिक्षकों को बहुत अच्छी तरहसे मार्गदर्शन किया और आशीर्वचन दिया। समापन कार्यक्रम मे बीके अनिता बहन को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। कार्यक्रम मे अनुमण्डल शिक्षक संघ, नरकटियागंज के सचिव और उच्च विद्यालय के शिक्षक लोकेश कुमार पाठक, ब्लॉक रिसोर्स पर्सन गुडुकुमार ने शिक्षकों को मार्गदर्शन किया। पांच दिवस का अंग्रेजी प्रशिक्षण शिक्षक मुकुन्द मुरारी ने दिया।

भोजपुरी में पहली ऑडियो कैसेट

शिव आमंत्रण ,शांतिवन। भोजपुरी मे बनाई गई पहली ऑडिओ कॅसेट खुशियन के फुहार का अनावरण ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने किया। कॅसेट के गीत मधुबन पाण्डव भवन के बीके सतीश और बीके रमेश एवं पश्चिम चंपारण्य नरकटियागंज के बीके अबितादबिहारट्ट और कंकड़बाग, पटनाा दबिहारट्ट की बीके मधु ने गाये हुए है।

परमात्म मार्ग ही श्रेष्ठ जीवन का आधार

शिव आमंत्रण, फर्रूखाबाद। प्रजापिता ब्रहाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सर्चलाइट भवन बीबीगंज की ओर से मेला रामनगरिया में कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का शुभारंभ आईएमए के अध्यक्ष डा.आर.के चटवाल ने किया जिसमें सभी धर्मागुरूओं ने भाग लिया। जिसे सम्बोधित करते हुए अयोध्या से आये महामंडलेश्वर जनमेजयशरण महाराज ने कहा कि हम सब एक ही डाल से पैदा हुए हैं जो कि चारों दिशाओं में फैल गए है। नागापंथ अध्यक्ष नागारामलखनदास महाराज ने कहा कि हम नागाओं का स्वभाव उग्र होता हैं, लेकिन जीवन जीने की कला एवं नम्रता का गुण हमने यही से सीखा है। इसके बाद बच्चों ने ग्रुप डांस व शिवतांडव किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही भाजपा नेता मिथलेश अग्रवाल ने कहा कि इस संस्था से वे वर्षों से जुड़ी हुई हैं इस मौके पर भाजपा नेता संजय गर्ग ने कहा ब्रह्माकुमारी केन्द्र के कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणाश्रोत होते हैं । सभी लोग रोजाना होने वाले ओम् शांति शिविर का लाभ उठाएं। इस मौके पर सदाकाल हुसैन, पप्पन डा. अनीता सूद, बीके मंजू, डा. रजनी सरीन, सुरेश चंद्र गोयल, बीके मधु, बीके मुकेश, डा. श्रीकृष्ण गुप्त, बीके दशरथ, भरत सिंह, देवप्रकाश, रोहित गोयल, नरेश गंगवार, कामता शरण, संजीव सरेश यादव, महावीर प्रसाद, राममूर्ति आदि ने भाग लिया इस मौके पर साधू संतों एवं कल्पवासियों ने भाग लेकर अपने जीवन को स्वच्छ, स्वस्थ निर्विकार बनाने की प्रेरणा ली।

बीके अस्मिता को हॉल ऑफ फेम अवॉर्ड

शिव आमंत्रण, कोलकाता। कोलकाता के ईस्टर्न रेलवे ऑफिसर्स इन्कलेव में पब्लिक काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 10वें ग्लोबल कम्यूनिकेशन इन्कलेव 2016 का आयोजन किया गया। चाणक्य तथा हॉल ऑफ फेम इन पीआर अवॉर्ड समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बांगुर एवेन्यु सेवाकेंद्र की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके अस्मिता को हॉल ऑफ फेम इन पी आर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड पश्चिम बंगाल में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. शशी पंजा, रामकृष्ण मठ के उपाध्यक्ष स्वामी जितात्मानंद महाराज, ईस्टर्न रेलवे के महाप्रबंधक आरके गुप्ता ने बीके अस्मिता को उनके द्वारा समाज में दिए अभूतपूर्व योगदान को देखते हुए दिया। इस दौरान बीके अस्मिता ने ये मत कहो खुदा से मेरी मुश्किलें बड़ी है... इस गीत को गाकर परमात्मा की शक्ति का परिचय कराया तथा स्वयं की शक्तियों को जागृत करने के लिए राजयोग सीखने की सलाह दी। इस खुशी के मौके पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के जनसंपर्क एवं सूचना निदेशक बीके करूणा समेत संस्था से जुड़े कई वरिष्ठ भाई-बहनें उपस्थित थे। इस समारोह में शहर के कई कंपनियों तथा संस्थानों के मालिक व प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे।

Peace of Mind
डीडी फ्री डिश
DD डायरेक्ट फ्री दूरदर्शन के DTH पर GOD TV में और dishtv पर GODTV चैनल पर भी फ्री पीस ऑफ़ माइंड चैनल शाम को 7.30 pm से 10.00pm तक देख सकते है अधिक जानकारी के संपर्क करे...
Cell: 8104 777111/ 941415 1111

पीस ऑफ माइंड चैनल विश्व का पहला ऐसा चैनल है जो मनुष्य के प्रत्येक परिस्थितियों में काम आता है। सुख दु:ख में समान रहने और मानसिक शांति एवं सदभाव बनाये रखने का ईश्वर द्वारा दिया गया अनोखा उपहार है। इसे निम्न प्लेटफार्म पर देख सकते है कही भी, कभी भी।

Tata Sky -192
Airtel - 686
Videocon -497
Reliece -171

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित। **Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month**
सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर: आरजेएचआईएन**/ 2013/53539

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-307310
आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 9413384884
9887516335